

# Bhogishail Parikrama 2026 and Marwar's Spiritual Tradition



One of the historic and spiritual practices of Marwar, Bhogishail Parikrama 2026 started from the premises of Ghantaghar in Jodhpur on 25 May 2026 with formal flag worship. Law and Justice Minister Jogaram Patel, Jodhpur city MLA Atul Bhansali and Sursagar MLA Devendra Joshi were present for the event, which was organised by Hindu Seva Mandal, Jodhpur. Sainacharya Swami Achalanandgiri Ji Maharaj conducted the ceremony in a spiritually enriching manner. It is significant in the cultural heritage, local faith, social participation and nurturing of Sanatan traditions of Rajasthan.

## Key Features of Bhogishail Parikrama

- Bhogishail Parikrama is the age old religious event of the Marwar region.
- The 2026 journey started from Ghantaghar, Jodhpur, with the andol of flags.2026 journey started with 'andol of flags' at Ghantaghar, Jodhpur.
- The ceremony was held on Adhik Maas Jyeshtha Shukla Dashami of Vikram Samvat 2083.
- The event was well attended by the devotees.
- It is a parikrama, which brings people into contact with the cultural, religious and historical heritage of Jodhpur and Marwar.
- It is thought to be a symbol of public trust, spiritual awareness and social harmony.

It is a cultural and religious symbol.

Sanatan traditions are upheld.

- Bhogishail Parikrama is related with protecting and promoting Sanatan culture.
- It supports the passing on of religious and spiritual values to the next generation.
- The event enhances the connection between society and spiritual values.
- It is a continuation of local religious activities in Rajasthan.

The city of Jodhpur is a symbol of “The identity of the Jodhpur”.

- Bhogishail Parikrama was a living identity of the historical background, Jodhpur's faith and spiritual tradition, Jogaram Patel said.
- It is a religious as well as cultural heritage, people participation and social harmony, event.
- The parikrama helps to create a religious and devotional mood in the city.

Administrative arrangements are made for the devotees.

- The state government ensured cleanliness, drinking water, electricity and accessibility of the routes.
- Basic facilities were provided to ensure the organised, convenient parikrama for the devotees.
- The safety and convenience of pilgrims on the road was paid special attention.
- Needs of animal and environment protection along the parikrama route was also pointed out.
- The devotees were advised to keep discipline, faith and drug free atmosphere in the event.

Relevance for RAS Exam

- Rajasthan art and culture: under religious traditions and fairs, it is important.
- Helpful for appreciating the local faith and spiritual history of Marwar.
- Applicable to questions related to cultural identity, public involvement, heritage conservation.
- Relates religious governance to the management of religious events, public facilities and environment responsibility.

Conclusion

Its deep spiritual relationship with Marwar's religious traditions and local belief and culture is reflected in Bhogishail Parikrama 2026. Its official inauguration through flag worship in Jodhpur emphasizes the need for conserving the living heritage of

Rajasthan. The event is a cultural continuity and responsible public participation highlighting discipline, environment and social harmony among worshipers.

---

## MCOs

1. What ritual was performed first for the formal start of 1. Bhogishail Parikrama 2026 in Jodhpur?

- A. Deepdan ceremony
- B. Flag worship
- C. Kalash Yatra
- D. Religious discourse

Answer: B. Flag worship.

Explanation : The official start and flag worship (Dhwajan) ceremony of Bhogishail Parikrama 2026 took place at the premises of Ghantagar in Jodhpur. The ritual symbolized the beginning of the parikrama journey, highlighting the religious and spiritual significance of the event in the cultural practices of Marwar.

2. Bhogishail Parikrama is mainly associated with which region of Rajasthan?

- A. Mewar
- B. Hadoti
- C. Marwar
- D. Shekhawati

Answer: C. Marwar

Explanation: Bhogishail Parikrama is an ancient religious and spiritual practice from Marwar region. It is very much associated with the cultural, religious and historical lifestyle of Jodhpur, and is celebrated annually with a significant involvement of masses.

3. Which of the following were made sure by the state government for Bhogishail Parikrama 2026?

- A. Cleanliness, drinking water, electricity and route accessibility
- B. Only security arrangements
- C. Only cultural performances
- D. Free transport to all districts of Rajasthan

Answer: A. Cleanliness, drinking water, electricity and route accessibility.

Explanation : In order to make Bhogishail Parikrama 2026 smooth and convenient, the state government made sure that the devotees have good drinking water, cleanliness, electricity and accessibility of the route. These were to ensure that there were basic facilities provided and that the religious journey was disciplined, convenient and organised.

## भोगीशैल परिक्रमा 2026 और मारवाड़ की आध्यात्मिक विरासत

भोगीशैल परिक्रमा 2026, मारवाड़ की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक परम्पराओं में से एक, 25 मई 2026 को जोधपुर के घण्टाघर प्रांगण में विधिवत ध्वज पूजन के साथ शुरू हुई। यह आयोजन हिन्दू सेवा मण्डल, जोधपुर द्वारा किया गया। इसमें विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी और जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली उपस्थित रहे। समारोह सैनाचार्य स्वामी अचलानन्दगिरि जी महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, लोकआस्था, सामाजिक सहभागिता और सनातन परम्पराओं के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

### भोगीशैल परिक्रमा की प्रमुख विशेषताएं

- भोगीशैल परिक्रमा मारवाड़ क्षेत्र की प्राचीन धार्मिक परम्परा है।
- 2026 की यात्रा जोधपुर के घण्टाघर से ध्वज पूजन के साथ शुरू हुई।
- यह समारोह विक्रम संवत् 2083 के अधिक मास ज्येष्ठ शुक्ल दशमी के अवसर पर आयोजित हुआ।
- इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।
- यह परिक्रमा जोधपुर और मारवाड़ की सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत से लोगों को जोड़ती है।
- यह लोकआस्था, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता का प्रतीक मानी जाती है।

### सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

#### सनातन परम्पराओं का संरक्षण

- भोगीशैल परिक्रमा सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन से जुड़ी हुई है।
- यह धार्मिक और आध्यात्मिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में सहायक है।
- यह आयोजन समाज और आध्यात्मिक मूल्यों के बीच संबंध को मजबूत करता है।
- यह राजस्थान की स्थानीय धार्मिक परम्पराओं की निरंतरता को दर्शाता है।

### जोधपुर की पहचान का प्रतीक

- जोगाराम पटेल ने भोगीशैल परिक्रमा को जोधपुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, लोकआस्था और आध्यात्मिक परम्परा की जीवंत पहचान बताया।
- यह आयोजन केवल धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और जनभागीदारी का प्रतीक भी है।
- यह परिक्रमा शहर में धार्मिक और भक्तिमय वातावरण तैयार करती है।

### श्रद्धालुओं के लिए प्रशासनिक व्यवस्थाएं

- राज्य सरकार द्वारा सफाई, पेयजल, विद्युत और मार्ग सुगमता की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।
- श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मूलभूत सुविधाओं को व्यवस्थित किया गया।
- परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा पर विशेष ध्यान दिया गया।
- परिक्रमा मार्ग पर जीव-जंतुओं और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।
- श्रद्धालुओं से अनुशासन, श्रद्धा और नशामुक्त वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया गया।

### आरएस परीक्षा के लिए महत्व

- यह विषय राजस्थान की कला एवं संस्कृति के अंतर्गत धार्मिक परम्पराओं और मेलों से संबंधित है।
- यह मारवाड़ की लोकआस्था और आध्यात्मिक विरासत को समझने में उपयोगी है।
- सांस्कृतिक पहचान, जनभागीदारी और विरासत संरक्षण से जुड़े प्रश्नों के लिए महत्वपूर्ण है।
- यह धार्मिक आयोजन प्रबंधन, जनसुविधाओं और पर्यावरणीय जिम्मेदारी से भी जुड़ा हुआ है।

### निष्कर्ष

भोगीशैल परिक्रमा 2026 मारवाड़ की आध्यात्मिक परम्पराओं, लोकआस्था और सांस्कृतिक पहचान के गहरे संबंध को दर्शाती है। जोधपुर में ध्वज पूजन के साथ इसका विधिवत शुभारम्भ राजस्थान की जीवंत विरासत के संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित करता है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं, अनुशासन, पर्यावरण और सामाजिक समरसता पर दिया गया ध्यान इसे सांस्कृतिक निरंतरता और जिम्मेदार जनभागीदारी का उदाहरण बनाता है।

### बहुविकल्पीय प्रश्न

1. भोगीशैल परिक्रमा 2026 का जोधपुर में विधिवत शुभारम्भ किस अनुष्ठान के साथ हुआ?

- A. दीपदान समारोह
- B. ध्वज पूजन
- C. कलश यात्रा
- D. धार्मिक प्रवचन

**उत्तर: B. ध्वज पूजन**

**व्याख्या:** भोगीशैल परिक्रमा 2026 का विधिवत शुभारम्भ जोधपुर के घण्टाघर प्रांगण में ध्वज पूजन के साथ हुआ। यह अनुष्ठान परिक्रमा यात्रा की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक था और मारवाड़ की सांस्कृतिक परम्परा में इस आयोजन के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है।

**2. भोगीशैल परिक्रमा मुख्य रूप से राजस्थान के किस क्षेत्र से संबंधित है?**

- A. मेवाड़
- B. हाड़ौती
- C. मारवाड़
- D. शेखावाटी

**उत्तर: C. मारवाड़**

**व्याख्या:** भोगीशैल परिक्रमा मारवाड़ क्षेत्र की प्राचीन धार्मिक और आध्यात्मिक परम्परा है। यह जोधपुर की सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान से गहराई से जुड़ी हुई है तथा हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें भाग लेते हैं।

**3. भोगीशैल परिक्रमा 2026 के लिए राज्य सरकार द्वारा कौन-सी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं?**

- A. सफाई, पेयजल, विद्युत और मार्ग सुगमता
- B. केवल सुरक्षा व्यवस्था
- C. केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम
- D. राजस्थान के सभी जिलों से निःशुल्क परिवहन

**उत्तर: A. सफाई, पेयजल, विद्युत और मार्ग सुगमता**

**व्याख्या:** भोगीशैल परिक्रमा 2026 को सुचारु और सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा सफाई, पेयजल, विद्युत और मार्ग सुगमता जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुविधाजनक, अनुशासित और व्यवस्थित धार्मिक यात्रा का वातावरण उपलब्ध कराना था।

**Rajasthan Agriculture Department  
and Wadhvani AI MoU for AI-based  
Farmer Services**



## Rajasthan Agriculture Department and Wadhwani AI MoU for AI-based Farmer Services

The state of Rajasthan has made a significant move towards technology-driven farming by inking an MoU between the Agriculture Department, Government of Rajasthan and Lords Education and Health Society (LEHS – Wadhwani AI Foundation). The pact was inked at Pant Krishi Bhawan, Jaipur on 25 May 2026. The initiative has been designed to leverage on Artificial Intelligence-based models to enhance farm advisory, crop monitoring and weather-based advisories and transparent service delivery of agricultural schemes. Wadhwani AI will be the state's free Technology Partner for the next 3 years, providing farmers with swift solutions using cutting-edge technology like Agrivani and Cropus.

### Key Features of the MoU

- The MoU is just a non-financial framework arrangement by the Rajasthan Agriculture Department and Wadhwani AI Foundation.
- The Agriculture Department will get free technical support from Wadhwani AI.
- The partnership will continue for the next 3 years.
- It will support the enhancement of information systems at the field level.
- AI-powered models will be developed and deployed to provide agricultural services to farmers more effectively.
- The initiative is associated to the budget announcement for 2026-27 on the models and Centres of Excellence powered by AI.
- Its goal is to improve the transparency of the agriculture delivery system and boost farmers' income.

## Rajasthan's Progress under Agri-Stack

- Rajasthan is one of the states which has emerged as a leader in the implementation of Agri-Stack.
- A digital Farmer ID has been issued to around 95 lakh farmers in the state.
- The state has prepared 95% of the target under the preparation of Farmers ID.
- All the important information like khasra number, land records, Aadhaar number etc. is a part of Farmer ID.
- Farmers will benefit from government schemes rapidly using this digital database.
- It will enhance transparency of crop insurance and urea distribution under IFMS.
- The system will reduce the duplication and misuse of agriculture benefits.

## The best AI tools for farmers are listed here.

### Agrivani

- Agrivani is a multi-lingual Chatbot.
- It can be interacted with by voice or text by farmers.
- It enables farmers to ask questions in his/her own language.
- It offers rapid technical answers to farm issues.
- It will facilitate agricultural advice at the field level.

### Cropus is an aid to pest and disease surveillance for crops.

- Cropus is a computer vision based tool for the protection of crops.
- It can detect pests and diseases in crops according to pictures.
- Farmers can click on the pictures of crops in the field.
- The tool will offer easy treatment suggestions, backed up by experts.
- It will decrease the likelihood of damage to crops and will ease the opportunity to intervening in time.

### Soybean Grain Analyzer

- It is an application for soybean farmers using the smart phone.
- It aids farmers in judging the quality of soybean before going to the mandi.
- It gives up-to-the-minute data on quality, grading and protein.
- It may assist farmers to receive a better price for their products.
- It will enhance price consciousness and cut down middlemen dependency.

### Agri AI Collect and News Monitoring

- This tool will be useful in keeping digital records of farmers' field level activities.
- It will assist in decision making for administration.

- It will track the agriculture related news on a regular basis.
- It will assist the department to address new farming concerns promptly.

## Farmers' benefits and governance.

### Benefits for Farmers

- The farmers will be provided with timely weather and crop information-based advice.
- Crop diseases and pest attacks can be identified in a timely fashion.
- Through Farmer ID farmers will be able to avail government schemes with ease.
- The use of digital tools will minimize the lag time in services delivery.
- Market power of farmers can be enhanced with the use of quality assessment tools.

### Benefits for Governance

- There will be no financial costs for the Agriculture Department for free technical assistance.
- Improved transparency in implementing schemes will be achieved through the use of digital data.
- In real-time monitoring of agricultural problems, AI tools will be deployed.
- Last mile delivery of agricultural services will be enhanced through the system.
- It will aid in decision making in agricultural administration based on data.

## This topic is relevant for the RAS exam.

- Agriculture and technology-based governance is important for the economy of Rajasthan.
- Relevant for digital agriculture, Agri-Stack and Farmer ID questions.
- Helpful in understanding the public service delivery mechanism using AI in Rajasthan.
- Relates agriculture reforms to transparency, welfare delivery and good governance.
- Important for topics related to e-governance, innovation and farmers' welfare.

### Conclusion

The MoU with Wadhvani AI is a step forward in the governance of digital agriculture in Rajasthan. The state is aiming for a more efficient, transparent, accurate and up-to-the-minute agricultural service, with 95 lakh Farmer IDs and tools like AI-based Agrivani, Cropus and Soybean Grain Analyzer. The project can enhance the farmers' decision-making capability, minimize farm loss and enhance the extension of welfare schemes.

---

## MCOs

1. Which institution has signed a MoU with the Rajasthan Agriculture Department for providing AI-based support to farmers?

- A. Indian Council of Agricultural Research
- B. LEHS – Wadhvani AI Foundation
- C. National Informatics Centre
- D. NABARD

Answer: B. LEHS – Wadhvani AI Foundation

Explanation : The Rajasthan Agriculture Department has signed a non-financial MoU with Lords Education and Health Society (LEHS) Wadhvani AI Foundation. Wadhvani AI will function as a technology partner which will be free for 3 years, and provide technical support using AI to augment agricultural services and farmer advisory systems in the state.

2. Under Agri-Stack, how many farmers are getting digital Farmer ID in the state of Rajasthan?

- A. 50 lakh
- B. 75 lakh
- C. 95 lakh
- D. 1.25 crore

Answer: C. 95 lakh

Explanation : Of the 95 lakh farmers, Rajasthan has already prepared a digital Farmer ID under Agri-Stack covering a target of almost 95%. These Farmer IDs contain information like khasra number, land records, Aadhaar number and more. This digital database will contribute to the transparency and speed of agricultural schemes delivery.

3. What is the primary goal of Cropus in relation to the AI-driven agriculture efforts?

- A. To apply fertilizers by mechanical application.
- B. To provide crop insurance premium subsidy
- C. To identify crop pests and diseases by pictures
- D. Foster the creation of new mandis for soybean farmers.

Answer: C. To recognise disease and pest in crops by seeing pictures

Explanation : Cropus is a computer vision-based Pest and Disease Surveillance tool. It helps farmers capture images of their crops directly from their fields and get crop treatment advice from experts that have been verified. This will aid rapid identification of pests and diseases, minimise the possibility of crop damage and enable faster action to be taken in agriculture.

## कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित किसान सेवाओं के लिए राजस्थान कृषि विभाग और वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता समझौता

राजस्थान ने तकनीक आधारित कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कृषि विभाग, राजस्थान सरकार और लॉर्ड्स एजुकेशन एंड हेल्थ सोसाइटी, वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता फाउंडेशन के बीच एक गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता 25 मई 2026 को जयपुर स्थित पंत कृषि भवन में हुआ। इस पहल का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मॉडलों के माध्यम से कृषि सलाह, फसल निगरानी, मौसम आधारित मार्गदर्शन और कृषि योजनाओं की पारदर्शी आपूर्ति को बेहतर बनाना है। वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता अगले 3 वर्षों तक राज्य का निःशुल्क तकनीकी भागीदार रहेगा।

### समझौते की प्रमुख विशेषताएं

- यह समझौता राजस्थान कृषि विभाग और वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता फाउंडेशन के बीच एक गैर-वित्तीय समझौता है।
- वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता कृषि विभाग को निःशुल्क तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा।
- यह साझेदारी अगले 3 वर्षों तक जारी रहेगी।
- इससे क्षेत्रीय स्तर पर सूचना तंत्र को मजबूत करने में सहायता मिलेगी।
- किसानों तक कृषि सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मॉडल विकसित और लागू किए जाएंगे।
- यह पहल 2026-27 की बजट घोषणा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मॉडल और उत्कृष्टता केंद्रों से जुड़ी है।
- इसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और कृषि वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाना है।

### कृषि-संग्रह के तहत राजस्थान की प्रगति

- राजस्थान कृषि-संग्रह के क्रियान्वयन में अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है।
- राज्य के लगभग 95 लाख किसानों की डिजिटल किसान पहचान तैयार की गई है।

- राज्य ने किसान पहचान तैयार करने के निर्धारित लक्ष्य का 95% पूरा कर लिया है।
- किसान पहचान में खसरा संख्या, भूमि अभिलेख, आधार संख्या और अन्य आवश्यक विवरण शामिल हैं।
- इस डिजिटल आंकड़ा-संग्रह से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ शीघ्र मिल सकेगा।
- इससे फसल बीमा और एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली के तहत यूरिया वितरण में पारदर्शिता बढ़ेगी।
- यह व्यवस्था कृषि लाभों के दुरुपयोग और दोहराव को कम करेगी।

## किसानों के लिए प्रमुख कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण

### एग्रीवाणी

- एग्रीवाणी एक बहुभाषी संवाद सहायक मॉडल है।
- किसान इससे आवाज या लिखित संदेश के माध्यम से संवाद कर सकते हैं।
- यह किसानों को अपनी भाषा में प्रश्न पूछने की सुविधा देता है।
- यह कृषि संबंधी समस्याओं के त्वरित तकनीकी समाधान प्रदान करता है।
- इससे क्षेत्रीय स्तर पर कृषि सलाह अधिक सुलभ होगी।

### क्रोपस: कीट और रोग निगरानी

- क्रोपस फसल सुरक्षा के लिए दृश्य पहचान आधारित उपकरण है।
- यह चित्रों के आधार पर फसलों में कीटों और रोगों की पहचान कर सकता है।
- किसान खेत से ही फसल के चित्र ले सकते हैं।
- यह उपकरण विशेषज्ञों द्वारा प्रमाणित त्वरित उपचार सलाह प्रदान करेगा।
- इससे फसल क्षति का जोखिम कम होगा और समय पर हस्तक्षेप संभव होगा।

### सोयाबीन दाना विश्लेषक

- यह सोयाबीन किसानों के लिए चल-दूरभाष आधारित अनुप्रयोग है।
- यह किसानों को मंडी जाने से पहले सोयाबीन की गुणवत्ता का आकलन करने में सहायता करता है।
- यह गुणवत्ता, श्रेणीकरण और प्रोटीन संबंधी वास्तविक समय की जानकारी देता है।
- इससे किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है।
- यह मूल्य जागरूकता बढ़ाएगा और बिचौलियों पर निर्भरता कम करेगा।

## कृषि कृत्रिम बुद्धिमत्ता संग्रह और समाचार निगरानी

- यह उपकरण किसानों की क्षेत्रीय गतिविधियों का डिजिटल अभिलेख रखने में सहायक होगा।

- यह प्रशासनिक निर्णय लेने में सहायता करेगा।
- यह कृषि संबंधी समाचारों की नियमित निगरानी करेगा।
- यह विभाग को उभरती कृषि समस्याओं पर शीघ्र प्रतिक्रिया देने में सहायक होगा।

## किसानों और शासन के लिए लाभ

### किसानों के लिए लाभ

- किसानों को समय पर मौसम और फसल आधारित सलाह मिलेगी।
- फसल रोगों और कीट आक्रमण की पहचान समय पर हो सकेगी।
- किसान पहचान के माध्यम से किसान सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।
- डिजिटल उपकरण सेवा वितरण में देरी को कम करेंगे।
- गुणवत्ता आकलन उपकरण किसानों की बाजार में सौदेबाजी क्षमता बढ़ा सकते हैं।

### शासन के लिए लाभ

- कृषि विभाग को बिना किसी वित्तीय भार के निःशुल्क तकनीकी सहायता मिलेगी।
- डिजिटल आंकड़ों से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ेगी।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण कृषि समस्याओं की वास्तविक समय निगरानी में सहायता करेंगे।
- यह व्यवस्था कृषि सेवाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुंच को मजबूत करेगी।
- इससे कृषि प्रशासन में आंकड़ा-आधारित निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

### आरएस परीक्षा के लिए महत्व

- यह विषय राजस्थान अर्थव्यवस्था में कृषि और तकनीक आधारित शासन के लिए महत्वपूर्ण है।
- डिजिटल कृषि, कृषि-संग्रह और किसान पहचान से जुड़े प्रश्नों के लिए उपयोगी है।
- राजस्थान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित लोक सेवा वितरण को समझने में सहायक है।
- यह कृषि सुधारों को पारदर्शिता, कल्याणकारी योजनाओं की आपूर्ति और सुशासन से जोड़ता है।
- ई-शासन, नवाचार और किसान कल्याण से जुड़े विषयों के लिए महत्वपूर्ण है।

### निष्कर्ष

राजस्थान कृषि विभाग और वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बीच समझौता राज्य में डिजिटल कृषि शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 95 लाख किसान पहचान और एग्रीवाणी, क्रोपस तथा सोयाबीन दाना विश्लेषक जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों के माध्यम से राज्य तेज,

पारदर्शी और सटीक कृषि सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह पहल किसानों की निर्णय क्षमता को मजबूत कर सकती है, फसल हानि को कम कर सकती है और कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच को बेहतर बना सकती है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. राजस्थान कृषि विभाग ने किसानों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहायता प्रदान करने के लिए किस संस्था के साथ समझौता किया?

- A. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
- B. लॉर्ड्स एजुकेशन एंड हेल्थ सोसाइटी – वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता फाउंडेशन
- C. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
- D. नाबार्ड

उत्तर: B. लॉर्ड्स एजुकेशन एंड हेल्थ सोसाइटी – वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता फाउंडेशन

**व्याख्या:** राजस्थान कृषि विभाग ने लॉर्ड्स एजुकेशन एंड हेल्थ सोसाइटी, वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता फाउंडेशन के साथ गैर-वित्तीय समझौता किया है। इस समझौते के तहत वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता 3 वर्षों तक निःशुल्क तकनीकी भागीदार के रूप में कार्य करेगा और राज्य में कृषि सेवाओं तथा किसान सलाह प्रणाली को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से मजबूत करेगा।

2. कृषि-संग्रह के तहत राजस्थान में लगभग कितने किसानों की डिजिटल किसान पहचान तैयार की गई है?

- A. 50 लाख
- B. 75 लाख
- C. 95 लाख
- D. 1.25 करोड़

उत्तर: C. 95 लाख

**व्याख्या:** राजस्थान में कृषि-संग्रह के तहत लगभग 95 लाख किसानों की डिजिटल किसान पहचान तैयार की गई है। राज्य ने अपने लक्ष्य का लगभग 95% पूरा कर लिया है। इन किसान पहचानों में खसरा संख्या, भूमि अभिलेख, आधार संख्या और अन्य आवश्यक विवरण शामिल हैं। इससे कृषि योजनाओं की पारदर्शी और त्वरित आपूर्ति में सहायता मिलेगी।

3. कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कृषि पहल में क्रोपस का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- A. यांत्रिक रूप से उर्वरक का उपयोग करना
- B. फसल बीमा प्रीमियम अनुदान प्रदान करना
- C. चित्रों के माध्यम से फसल कीटों और रोगों की पहचान करना
- D. सोयाबीन किसानों के लिए नई मंडियां बनाना

उत्तर: C. चित्रों के माध्यम से फसल कीटों और रोगों की पहचान करना

**व्याख्या:** क्रोपस दृश्य पहचान आधारित कीट और रोग निगरानी उपकरण है। यह किसानों को खेत से फसल के चित्र लेकर विशेषज्ञों द्वारा प्रमाणित उपचार सलाह प्राप्त करने में सहायता करता है। इससे

कीटों और रोगों की शीघ्र पहचान हो सकेगी, फसल क्षति की संभावना कम होगी और कृषि क्षेत्र में समय पर कार्रवाई संभव होगी।

## Vande Ganga Water Conservation Public Campaign 2026



The Vande Ganga Water Conservation Public Campaign 2026 was launched by the Chief Minister of the state Dr Bhajanlal Sharma at Bisalpur Dam in Tonk on 25 May 2026, which is also celebrated as Ganga Dussehra. The Chief Minister carried out traditional water worship ceremony at Bisalpur dam with the chanting of Vedic mantras and invoked good rainfall in the state. The campaign will be held in Rajasthan from 25th May to 5th June. The target is to encourage water conservation, cleaning of traditional water sources, public involvement and rainwater harvesting and groundwater recharge at the village level in the State.

The Campaign will feature the following key features:

- This campaign was initiated from Bisalpur Dam, Tonk district.

- It has started since Ganga Dussehra.
- The campaign will be carried out from May 25 to June 5, 2026.
- Programmes will be implemented at the village level throughout the State of Rajasthan.
- Water conservation activities will be conducted with the participation of the public representatives such as MPs, MLAs and other leaders.
- Water sources like wells, stepwells, ponds, etc., will be cleaned as part of the activities.
- Shramdaan, Jal Chaupal, Prabhat Pheri, plantation and awareness programmes will be held.
- New water conservation works will also be inaugurated with the laying of foundation stones by various departments.

## Importance of Bisalpur Dam and SCADA System

This is the first Chief Minister to inspect Bisalpur Dam's SCADA System.

- Chief Minister Bhajanlal Sharma is the first Chief Minister of the state to visit Bisalpur Dam and look at the entire SCADA system.
- Bisalpur Dam is one of the dams which provide continuous water supply to the east districts of Rajasthan.
- The Chief Minister was briefed on dam setting up, water collection arrangement and the functioning of SCADA system.
- SCADA system information was given by the chief engineer, Water Resources, Bhuvan Bhaskar through a video presentation.

## Water Management directions:

- Officials were authorized to build new buildings in the dam region.
- Effective work was directed, recharging of the Banas River.
- Emphasis was given to improve the collection of rain water and groundwater.
- Instructions were given to build a series of anicuts.
- Officials were also required to place gates at specified places.
- Water conservation and water collection works were directed to be conducted properly by having an action plan and long-term vision.

## Isarda Dam Aerial Survey and Irrigation Projects

- Post Bisalpur Dam visit Chief Minister carried out an aerial survey of Isarda dam.
- He checked the advanced stages of water conservation and water management/irrigation projects.
- Three important dams – Isarda, Galwa and Bandh Barehta – are located along the feeder channel of the Ramjal Setu Link Project.
- This emphasizes the need for integrated water management in Rajasthan.

## Objectives and Benefits

### Objectives

- Encourage the public to be involved in water saving.
- Ensure the protection and maintenance of traditional water sources like wells, stepwells and ponds.
- Enhance rain water harvesting and improve recharge.
- Long term water storage planning improvements.
- To create awareness from State level to Village level.
- Connect water conservation to community responsibility.

### Benefits

- Contributes to better water supply in rural and urban communities.
- Provides groundwater recharge with groundwater conservation structures.
- Reaches out to citizens and encourages citizen involvement in local water management.
- Improves the resistance of the state in the event of rainfall and water scarcity in Rajasthan.
- Encourages the sustainable use of dams, ponds, rivers and other water bodies.
- Supports enhanced planning and development of irrigation and water resources projects.

### Relevance for RAS Exam

- It is important for Geography related to water resources and dams for Rajasthan.
- Applicable to environment and ecology with regard to water conservation.
- Useful for topics around governance that involve public participation and administration based on campaigns.
- Important: Questions relating to Bisalpur Dam, Isarda Dam and water management projects.
- Links traditional water sources to new water monitoring systems like SCADA.
- Helpful to understand how to utilize rain, conserve groundwater in the state of Rajasthan.

### Conclusion

The Vande Ganga Water Conservation Public Campaign 2026 is indicative of the Rajasthan's commitment to community-led water conservation and sustainable water security. The campaign will involve public participation, clean traditional water bodies, and collect and store rain water, improve rain water absorption and monitoring system to enhance water management in the state. The campaign's

launch from Bisalpur Dam holds significant importance for the water resource planning in Rajasthan.

---

## MCOs

1. Where was the Vande Ganga Water Conservation Public Campaign 2026 started?

- A. Isarda Dam
- B. Bisalpur Dam
- C. Bandh Baretha Dam
- D. Galwa Dam

Answer: B. Bisalpur Dam

Explanation: The Vande Ganga Water Conservation Public Campaign 2026 was inaugurated by Chief Minister Bhajanlal Sharma at Bisalpur Dam, Tonk district on 25 May 2026. The launch ceremony was organised at the time of Ganga Dussehra ceremony and the Chief Minister conducted traditional water worship by chanting the Vedic mantra before launching the campaign.

Q2. How many days was the Vande Ganga Water Conservation Public Campaign 2026?

- A. 15 May to 25 May 2026
- B. 20 May to 30 May 2026
- C. 25 May to 5 June 2026
- D. 1 June to 15 June 2026

Answer: C. 25 May to 5 June 2026

Explanation: The campaign will be held in Rajasthan from 25th May to 5th June 2026. This will be followed by the arrangement of various water conservation activities at the village level such as cleanliness of water sources like wells, stepwells, ponds and shramdaan, Jal Chaupal, plantation and awareness programmes.

3. At which dam did the Chief Minister visit and launch the campaign?

- A. GIS Based Land Record System.
- B. SCADA system

C. A crop survey system based on drone.

D. Digital health monitoring system

Answer: B. SCADA system

Explanation: Chief Minister Bhajanlal Sharma visited Bisalpur dam and toured the dam arrangements, water collection system and water management works of the dam under the SCADA system. This visit was significant for the introduction of the first Chief Minister of Rajasthan to visit Bisalpur Dam for the first time, and inspect the entire SCADA setup, which is very crucial for modern water resource management.

## वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 25 मई 2026 को गंगा दशमी के अवसर पर टोंक स्थित बीसलपुर बांध से वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026 का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने बीसलपुर बांध पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत जल पूजन किया और प्रदेश में अच्छी वर्षा की कामना की। यह अभियान 25 मई से 5 जून तक पूरे राजस्थान में संचालित होगा। इसका उद्देश्य जल संरक्षण, पारंपरिक जल स्रोतों की सफाई, जनभागीदारी, वर्षाजल संग्रहण और भू-जल पुनर्भरण को ग्राम स्तर तक बढ़ावा देना है।

### अभियान की प्रमुख विशेषताएं

- अभियान की शुरुआत टोंक जिले के बीसलपुर बांध से हुई।
- यह अभियान गंगा दशमी के अवसर पर प्रारम्भ किया गया।
- अभियान 25 मई से 5 जून 2026 तक संचालित होगा।
- प्रदेशभर में ग्राम स्तर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
- सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि जल संरक्षण गतिविधियों में भाग लेंगे।
- कुओं, बावड़ियों, तालाबों और अन्य जल स्रोतों की सफाई की जाएगी।
- श्रमदान, जल चौपाल, प्रभात फेरी, पौधारोपण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे।
- विभिन्न विभागों द्वारा नए जल संरक्षण कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया जाएगा।

### बीसलपुर बांध और स्काडा प्रणाली का महत्व

#### बीसलपुर बांध की स्काडा प्रणाली का अवलोकन करने वाले पहले मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान के पहले मुख्यमंत्री बने, जिन्होंने बीसलपुर बांध पहुंचकर पूरी स्काडा प्रणाली का अवलोकन किया।

- बीसलपुर बांध पूर्वी राजस्थान के जिलों में निर्बाध जल आपूर्ति का प्रमुख माध्यम है।
- मुख्यमंत्री ने बांध की व्यवस्थाओं, जल संग्रहण प्रणाली और स्काडा प्रणाली की कार्यप्रणाली की जानकारी ली।
- मुख्य अभियंता जल संसाधन भुवन भास्कर ने वीडियो प्रस्तुतीकरण के माध्यम से स्काडा प्रणाली की जानकारी दी।

## जल प्रबंधन के लिए निर्देश

- अधिकारियों को बांध क्षेत्र में नई संरचनाओं के निर्माण के निर्देश दिए गए।
- बनास नदी को पुनर्भरित करने की दिशा में प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिए गए।
- वर्षाजल संग्रहण और भू-जल पुनर्भरण को मजबूत करने पर बल दिया गया।
- श्रृंखलाबद्ध एनीकट निर्माण के निर्देश दिए गए।
- आवश्यक स्थानों पर गेट लगाने के निर्देश भी दिए गए।
- जल संरक्षण और जल संग्रहण के कार्यों को पूरी कार्ययोजना और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ करने पर बल दिया गया।

## ईसरदा बांध का हवाई सर्वेक्षण और सिंचाई परियोजनाएं

- बीसलपुर बांध के अवलोकन के बाद मुख्यमंत्री ने ईसरदा बांध का हवाई सर्वेक्षण किया।
- उन्होंने जल संरक्षण, जल प्रबंधन और सिंचाई परियोजनाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।
- रामजल सेतु लिंक परियोजना का फीडर चैनल 3 प्रमुख बांधों ईसरदा, गलवा और बांध बरेठा से गुजरता है।
- यह राजस्थान में समेकित जल प्रबंधन की आवश्यकता को दर्शाता है।

## उद्देश्य और लाभ

### उद्देश्य

- जल संरक्षण में जनभागीदारी को बढ़ावा देना।
- कुओं, बावड़ियों और तालाबों जैसे पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण और सफाई सुनिश्चित करना।
- वर्षाजल संग्रहण और भू-जल पुनर्भरण को मजबूत करना।
- जल संग्रहण के लिए दीर्घकालिक योजना को बेहतर बनाना।
- राज्य स्तर से ग्राम स्तर तक जागरूकता फैलाना।
- जल संरक्षण को सामुदायिक जिम्मेदारी से जोड़ना।

## लाभ

- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल उपलब्धता सुधारने में सहायता मिलेगी।
- संरक्षण संरचनाओं के माध्यम से भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा।
- नागरिकों को स्थानीय जल प्रबंधन में भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा।
- वर्षा और जल संकट की स्थिति में राजस्थान की तैयारी मजबूत होगी।
- बांधों, तालाबों, नदियों और अन्य जल निकायों के सतत उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।
- सिंचाई और जल संसाधन परियोजनाओं की बेहतर योजना बनाने में सहायता मिलेगी।

## आरएस परीक्षा के लिए महत्व

- राजस्थान भूगोल में जल संसाधन और बांधों से संबंधित विषय के लिए महत्वपूर्ण है।
- पर्यावरण और पारिस्थितिकी में जल संरक्षण से संबंधित प्रश्नों के लिए उपयोगी है।
- जनभागीदारी और अभियान आधारित प्रशासन से जुड़े शासन विषयों के लिए प्रासंगिक है।
- बीसलपुर बांध, ईसरदा बांध और जल प्रबंधन पहल से जुड़े प्रश्नों के लिए महत्वपूर्ण है।
- पारंपरिक जल स्रोतों को आधुनिक निगरानी प्रणाली जैसे स्काडा से जोड़ता है।
- राजस्थान में वर्षाजल संग्रहण और भू-जल संरक्षण की नीति को समझने में सहायक है।

## निष्कर्ष

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026 राजस्थान में सामुदायिक भागीदारी आधारित जल संरक्षण और दीर्घकालिक जल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जनभागीदारी, पारंपरिक जल स्रोतों की सफाई, वर्षाजल संग्रहण, भू-जल पुनर्भरण और आधुनिक निगरानी प्रणालियों के संयोजन से यह अभियान राज्य में जल प्रबंधन को मजबूत करने का प्रयास करता है। बीसलपुर बांध से इसका शुभारम्भ राजस्थान की जल संसाधन योजना के लिए विशेष महत्व रखता है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026 का शुभारम्भ किस स्थान से किया गया?

- A. ईसरदा बांध
- B. बीसलपुर बांध
- C. बांध बरेठा
- D. गलवा बांध

उत्तर: B. बीसलपुर बांध

**व्याख्या:** वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026 का शुभारम्भ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 25 मई 2026 को टोंक जिले के बीसलपुर बांध से किया। यह कार्यक्रम गंगा दशमी के अवसर पर

आयोजित किया गया था। अभियान प्रारम्भ करने से पहले मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत जल पूजन किया।

**2. वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026 की अवधि क्या है?**

- A. 15 मई से 25 मई 2026
- B. 20 मई से 30 मई 2026
- C. 25 मई से 5 जून 2026
- D. 1 जून से 15 जून 2026

**उत्तर: C. 25 मई से 5 जून 2026**

**व्याख्या:** वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026 पूरे राजस्थान में 25 मई से 5 जून 2026 तक संचालित होगा। इस अवधि में ग्राम स्तर तक जल संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कुओं, बावड़ियों, तालाबों और अन्य जल स्रोतों की सफाई, श्रमदान, जल चौपाल, पौधारोपण और जागरूकता कार्यक्रम इस अभियान का हिस्सा होंगे।

**3. अभियान के शुभारम्भ के दौरान मुख्यमंत्री ने बीसलपुर बांध पर किस प्रणाली का अवलोकन किया?**

- A. भू-अभिलेख आधारित भौगोलिक सूचना प्रणाली
- B. स्काडा प्रणाली
- C. ड्रोन आधारित फसल सर्वेक्षण प्रणाली
- D. डिजिटल स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली

**उत्तर: B. स्काडा प्रणाली**

**व्याख्या:** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीसलपुर बांध पर स्काडा प्रणाली का अवलोकन किया और बांध की व्यवस्थाओं, जल संग्रहण प्रणाली तथा जल प्रबंधन कार्यों की जानकारी ली। वे राजस्थान के पहले मुख्यमंत्री बने, जिन्होंने बीसलपुर बांध पहुंचकर पूरी स्काडा व्यवस्था का अवलोकन किया। यह आधुनिक जल संसाधन प्रबंधन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।